

॥ गुरुस्तोत्रम् ॥

.. gurutotraM ..

sanskritdocuments.org

April 10, 2015

# Document Information

Text title : gurustotram

File name : gurustotram.itx

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

Proofread by : KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

Description-comments : From Grantha/Tamil book Adityadi Navagraha Stotra

Latest update : June 28, 2012

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

# ॥ गुरुस्तोत्रम् ॥

---

## ॥ गुरुस्तोत्रम् ॥

अथ गुरुस्तोत्रम् ।

बृहस्पतिः सुराचार्यो दयावान् शुभलक्षणः ।  
लोकत्रयगुरुः श्रीमान्सर्वज्ञः सर्वकोविदः ॥ १ ॥

सर्वेशः सर्वदाऽभीष्टः सर्वजित्सर्वपूजितः ।  
अक्रोधनो मुनिश्रेष्ठो नीतिकर्ता गुरुः पिता ॥ २ ॥

विश्वात्मा विश्वकर्ता च विश्वयोनिरयोनिजः ।  
भूर्भुवःसुवरो चैव भर्ता चैव महाबलः ॥ ३ ॥

पञ्चविंशतिनामानि पुण्यानि नियतात्मना ।  
वसता नन्दभवने विष्णुना कीर्तितानि वै ॥ ४ ॥

यः पठेत् प्रातरुत्थाय प्रयतः सुसमाहितः ।  
विपरीतोऽपि भगवान्प्रीतो भवति वै गुरुः ॥ ५ ॥

यश्छृणोति गुरुस्तोत्रं चिरं जीवेन्न संशयः ।  
बृहस्पतिकृता पीडा न कदाचिद्भविष्यति ॥ ६ ॥

इति गुरुस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by KSR Ramachandran ramachan-  
dran\_ksr at yahoo.ca

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. gurustotraM ..  
was typeset on April 10, 2015

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)